PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

## वाच्य

- वाच्य- वाच्य का अर्थ है 'बोलने का विषय।'
- वाच्य से यह पता चलता है कि वाक्य में कर्ता , कर्म और भाव में से किसकी प्रधानता है।

## वाच्य की परिभाषा

- क्रिया के जिस रूपान्तर के क्रिया के कर्ता, कर्म या भाव के सम्बन्ध के कुछ कहने का ज्ञान होता है, उसे वाच्य कहा जाता है।

  जैसे-

  प्रिया पुस्तक पढ़ती है।

  पुस्तक पढ़ी जाती है।

  मोहन से पढ़ा नहीं जाता है।
- ऊपर के वाक्यों में उनकी क्रियाएँ क्रमशः कर्ता , कर्म और भाव के अनुसार हैं। पहले वाक्य में रमा कर्ता है और उसके अनुसार क्रिया हैं – पढ़ती है।
- दूसरे वाक्य में कर्म पुस्तक के अनुसार क्रिया है -पढ़ी जाती है।
- अन्तिम वाक्य में पढ़ा नहीं जाता है से न पढ़ने का भाव स्पष्ट है। अतः यहाँ क्रिया भाव के अनुसार है।

## वाच्य के भेद (3 भेद है)

1. कर्तृवाच्य
2. कर्मवाच्य
3. भाववाच्य

## कर्तृवाच्य

- जिस वाक्य में क्रिया कर्ता के अनुसार हो, उसे 'कर्तृवाच्य' कहते है। जैसे -

  राम पत्र लिखता है।

  सीता पुस्तक पढ़ती है।
- ऊपर के इन दो वाक्यों की क्रियाएँ लिखता और पढ़ती कर्ता राम और सीता के अनुसार है। अतः ये वाक्य कर्तृवाच्य में है।
- ध्यान दे - कर्तृवाच्य सकर्मक और अकर्मक दोनों ही प्रकार की क्रियाओं मे होता है। जैसे-

  प्रिया पुस्तक पुढ़ती है।

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

स्वाति रोती है।

## कर्मवाच्य

- जिस वाक्य में क्रिया कर्म के अनुसार हो, उसे 'कर्मवाच्य' कहते हैं। जैसे -
  पत्र लिखा जाता है।
  पुस्तक पढ़ी जाती है।
- ऊपर के दोनों वाक्यों में पत्र और पुस्तक कर्म है और इनके अनुसार क्रियाएँ हैं - लिखा जाता और पढ़ी जाती।
- ध्यान दें- कर्म वाच्य सदैव सकर्मक क्रिया में होता है।

## भाववाच्य

- जिस वाक्य में क्रिया कर्ता और कर्म को छोड़कर भाव के अनुसार हो, उसे 'भाववाच्य' कहते हैं।
  उससे बैठा नहीं जाता।
  राधा से खाया नहीं जाता।
- ऊपर के वाक्यों में बैठा नहीं जाता, खाया नहीं जाता से एक भाव स्पष्ट होता है। इन सब वाक्यों में न कर्ता की प्रधानता है, न कर्म की। इनमें निहित सभी क्रियाएँ भाव के अनुसार हैं।

- ध्यान दे - भाववाच्य में क्रियाएँ प्रायः अकर्मक होती हैं। इसकी क्रिया सदा एकवचन, अन्य पुरुष और पुल्लिंग में होती है। इसमें असमर्थता और निषेध होने से वाक्य प्रायः नकारात्मक होते हैं।